

भारत 2022 तक करेगा तीन गुना अधिक एथेनॉल का उत्पादन

चर्चा में क्यों?

10 अगस्त को विश्व जैव ईंधन दविस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 2022 (अगले चार वर्षों में) तक भारत अपने एथेनॉल उत्पादन को तीन गुना कर देगा और इससे देश के तेल आयात (OIL IMPORT) बिल में 12,000 करोड़ रुपए की बचत होगी।

प्रमुख बंदि

- केंद्र सरकार ने 10,000 करोड़ रुपए के नविश से देश में 12 जैव ईंधन रफाइनरियों के नरिमाण की योजना बनाई है।
- सरकार का लक्ष्य मौजूदा 141 करोड़ लीटर उत्पादन की तुलना में अगले चार वर्षों में 450 करोड़ लीटर एथेनॉल का उत्पादन करना है।
- सरकार 2022 तक पेट्रोल में 10% एथेनॉल सम्मिश्रण के स्थिति प्राप्त कर लेगी और सरकार का लक्ष्य इसे दोगुना यानी 20% तक मश्रिति करना है।

अत्यंत नमिन स्तर पर वृद्धि

- हालाँकि, सरकार की जैव ईंधन नीतिका कुछ आलोचना भी की गई है, अतः इस नीतपिर पुनर्वचिार कयि जाने की ज़रूरत है।
- भारत को एथेनॉल मश्रिण के लक्ष्य को पूरा करने के लयि समग्र दृष्टिकोण अपनाने की ज़रूरत है, कति सरकार द्वारा इसमें वृद्धिका लक्ष्य अत्यंत नमिन स्तर (वर्तमान में नीतदिसतावेज़ के अनुसार 2%) पर रखा गया है।
- उन्नत जैव ईंधन प्राप्त करने के लयि 12 आधुनकि रफाइनरियों की स्थापना की योजना है। सरकार द्वारा 2014 से घोषति योजनाओं को कम या बनिा कसिी सफलता के एक-दूसरे में दोहराया गया है।